



क्षेत्रों में परियोजनाओं के वित्तपोषण पर केंद्रित इकाई है। यह गैर आधारभूत परियोजनाओं का वित्तपोषण भी संभालती है। ये परियोजनाएँ न्यूनतम परियोजना लागत पर कतिपय सीमाओं में वित्तपोषित की जाती हैं। वर्ष के दौरान परियोजना ऋणों के समूहन और हामीदारी पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया।

वर्ष 2008-09 के दौरान परियोजना वित्तपोषण कार्यनीतिक व्यवसाय इकाई ने अनेक परियोजनाओं के वित्तपोषण में सहभागिता की और अन्य बैंकों/संस्थाओं के साथ ऋण-समूहन में निम्नानुसार हिस्सेदारी की :

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2008	वित्तीय वर्ष 2009	वृद्धि (%)
संस्वीकृत परियोजनाओं की कुल परियोजना लागत	1,45,045	1,93,595	लागू नहीं
कुल ऋण आवश्यकता	92,558	1,33,894	लागू नहीं
उपर्युक्त में से भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संस्वीकृत ऋण	20,195	25,854	28.02
ऋण समूहन	54,951	64,069	16.59

अन्य प्रमुख परियोजनाओं के अलावा, भारतीय स्टेट बैंक देश में ऐसी दो बृहत बिजली परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शी बैंक भी है जिन्होंने वित्तीय लेखाबंदी हासिल कर ली है और ये वर्तमान में कार्यान्वयन अधीन हैं। परियोजना वित्तपोषण करारों पर नजर रखने वाले विश्लेषक निरंतर बैंक को एशिया प्रशांत क्षेत्र में/विश्व स्तर पर अग्रणी स्थान दे रहे हैं।

#### ख.4 तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह (एसएएमजी)

वर्ष 2008-09 के दौरान एसएएमजी का निष्पादन नीचे तालिका में दिया गया है :

तालिका : 3 एसएएमजी-उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपये में)

1	अलाभकारी आस्तियों (एनपीए) की नकद वसूली	354
2	मानक आस्तियों के रूप में कोटि उन्नयन	245
3	अपलेखन	588
4	अलाभकारी आस्तियों (1+2+3) में कुल कमी	1187
5	अपलिखित खातों में वसूली	418

- तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह (एसएएमजी) की शुरू में स्थापना रु. 5 करोड़ और उससे अधिक की बकाया राशि वाली सभी अलाभकारी आस्तियों के अभिग्रहण के लिए की गई थी। बाद में रु. 1 करोड़ और उससे अधिक राशि की सभी अलाभकारी आस्तियों का समाधान इसके कार्यक्षेत्र में लाया गया ताकि अलाभकारी आस्तियों के समाधान के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा सकें।

- 106 तनावग्रस्त आस्ति समाधान केंद्र (सार्क) की देशभर में स्थापना की गई जिससे एसएएमई और वैयक्तिक खंडों में रु. 1 करोड़ तक की बकाया राशि वाली अलाभकारी आस्तियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। इनमें से 45 स्वतंत्र तनावग्रस्त आस्ति समाधान केंद्रों को चरणबद्ध ढंग से तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह (एसएएमजी) की परिधि में लाया जा रहा है जिससे बैंक के वसूली प्रयासों में और गति लाई जा सके। तनावग्रस्त आस्ति समाधान केंद्रों का निष्पादन उत्साहवर्धक रहा और अनर्जक आस्तियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की गई। अलाभकारी आस्तियों के निवारण के लिए कार्यक्षम उपाय भी किए गए हैं और इन उपायों के अंतर्गत चुकौती में पहली चूक के समय ही ग्राहकों को स्मरण करा दिया जाता है।

#### ग. मध्य कारपोरेट समूह (एमसीजी)

तालिका : 4 एमसीजी - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	31.03.2008 को	31.03.2009 को	वृद्धि का %
जमाराशियां	15,428	19,169	24.25
अग्रिम (ऑफ-साइट को छोड़कर)	85,887	1,06,466	23.96
अग्रिम (ऑफ-साइट को शामिल करके)	1,02,052	1,25,951	23.41

- समूह बैंक के कुल वाणिज्यिक एवं संस्थागत खाद्येतर अग्रिमों के लगभग 42% की देखरेख करता है। यह 8 क्षेत्रीय कार्यालयों और 53 शाखाओं के माध्यम से कार्य करता है।
- चालू वर्ष के दौरान मध्य कारपोरेट समूह के 540 नए मध्य कारपोरेट ग्राहक शामिल हुए।
- नए उन्नतिशील नगरों और 'श्रेणी II' के शहरों में मध्य कारपोरेट समूह ग्राहकों पर केंद्रित सेवा प्रदान करने की दृष्टि से 23 नए शाखेतर कार्यालय और पूर्ववर्ती स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र की 4 शाखाएँ मध्य कारपोरेट समूह में आ गईं।
- अग्रिमों की औसत आय मार्च 2008 के 9.73% के स्तर से बढ़कर मार्च 2009 में 11.62% हो गई।

#### नए प्रयास

- ई-ट्रेड एसबीआई उत्पाद प्रारंभ किया गया जिसमें विपणन का दायित्व मध्य कारपोरेट समूह को सौंपा गया। इस उत्पाद से ग्राहक चौबीसों घंटे सातों दिन अपने कार्यालय या किसी अन्य स्थान से अपना लेनदेन कर सकते हैं और वेब आधारित सॉफ्टवेयर के माध्यम से लेनदेन पर नजर रख सकते हैं।



telecom, roads, ports, airports, logistics and others. It also handles non-infrastructure projects with certain ceilings on minimum project cost. During the year, the focus was on syndication and underwriting of project loans.

During 2008-09, Project Finance-SBU participated in funding of numerous projects and took up syndication of debt with other banks / institutions as given in the chart:

(Amount in Rs. crores)

Particulars	FY 2008	FY 2009	Growth (%)
Aggregate Project Cost of projects sanctioned	1,45,045	1,93,595	N. A.
Aggregate Debt requirement	92,558	1,33,894	N. A.
Of the above, Debt sanctioned by SBI	20,195	25,854	28.02
Debt syndication	54,951	64,069	16.59

Besides other major projects, SBI is also the Lead Bank for the two Ultra Mega Power Projects in the country which have achieved financial closure and are presently under implementation. Analysts tracking project finance deals have been consistently ranking the Bank in leading positions in the Asia Pacific Region/globally.

#### B.4 Stressed Assets Management Group (SAMG)

The performance of SAMG during the year 2008-09 is given in the table below.

**Table : 3 SAMG – Highlights**

(Amount in Rs. crores)

1	Cash Recovery in NPA	354
2	Upgradation to Standard Assets	245
3	Write Offs	588
4	Gross reduction in NPAs (1+2+3)	1187
5	Recovery in written off accounts	418

- Stressed Assets Management Group (SAMG), originally set up to take over all NPAs with outstandings of Rs.5 crores and above, has expanded its role to resolve all NPAs of Rs.1 crore and above across the country with a view

to provide focussed efforts in resolution of NPAs.

- 106 Stressed Assets Resolution Centres (SARCs) have been opened across the country for focussed resolution of NPAs with outstandings upto Rs.1 crore in SME and Personal segments. Out of these, 45 independent SARCs were brought under SAMG in a phased manner to give further fillip to the Bank's recovery efforts. The performance of SARCs is encouraging and substantial progress in the Management of NPAs has been achieved. Proactive steps have also been taken for prevention of NPAs by making demands on customers BEFORE DEFAULT and on FIRST DEFAULT.

#### C. MID-CORPORATE GROUP (MCG)

**Table : 4 MCG – Highlights**

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	growth %
Deposits	15,428	19,169	24.25
Advances (Excluding off-site)	85,887	1,06,466	23.96
Advances (Including off-site)	1,02,052	1,25,951	23.41

- The Group handles about 42% of the total C&I non-food advances of the Bank. It operates through 8 Regional Offices and 53 branches.
- 540 new mid-corporate clients were added by the MCG during the current year.
- To ensure focussed service to MCG customers in upcoming towns and "Tier II" cities, 23 new off-site branches and 4 erstwhile SBS branches have been added to MCG.
- The average yield on advances went up from 9.73% in March 2008 to 11.62% in March, 2009.

#### Initiatives taken

- e-Trade sbi has been launched with marketing under the ownership of MCG. The product enables customers to handle their transactions from their office or any other place 24x7 and keep track of the transactions through web based software.



- 5 मध्य कारपोरेट ऋण संचालन इकाइयाँ वर्ष के दौरान मध्य कारपोरेट समूह के नियंत्रणाधीन लाई गई। ये इकाइयाँ मुख्यतया शाखेतर केंद्रों पर मध्य कारपोरेट ग्राहकों को केंद्रीकृत प्रक्रिया संबंधी कार्य, सेवा और प्रलेखन सुविधाएँ उपलब्ध कराती हैं।

#### नए उत्पाद

- आयात आदृत एक नया उत्पाद है जो एसबीआई फैक्टर्स एंड कॉमर्शियल सर्विसेज लि. के सहयोग से शुरू किया गया।

#### ग.1 स्वर्ण बैंकिंग

- बैंक ने बड़े पैमाने पर बुलियन व्यवसाय शुरू करने के लिए अनेक पहल की हैं।
- स्वर्ण सिक्कों की खुदरा बिक्री करने वाली शाखाओं की संख्या वर्ष 2008 में 250 थी जो बढ़कर वर्ष 2009 में 518 हो गई। इस योजना को वर्ष 2009-10 में देश के सभी महत्वपूर्ण केंद्रों में लागू कर दिया जाएगा। इसी के साथ स्वर्ण सिक्कों की बिक्री करने वाली शाखाओं की संख्या लगभग 1100 हो जाएगी। बैंक कारपोरेट ग्राहकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार स्वर्ण सिक्कों की आपूर्ति भी करता है।
- बैंक द्वारा जौहरियों को धातु ऋणों में निवेश करने के लिए घरेलू बाजार से स्वर्ण जुटाने के लिए 50 शाखाओं में स्वर्ण जमा योजना फिर से शुरू की गई।
- बैंक मुंबई में एक अलग बुलियन शाखा स्थापित करने जा रहा है जिससे बुलियन व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

#### घ. राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (एनबीजी)

- बैंक के राष्ट्रीय बैंकिंग समूह (एनबीजी) में तीन व्यवसाय समूह आते हैं। ये हैं वैयक्तिक बैंकिंग, लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) और सरकारी बैंकिंग तथा यह 31.03.2009 को कुल देशीय ऋण में 34.41% और कुल देशीय जमा राशियों में (अंतर बैंक जमा राशियों को छोड़कर) 59.21% हिस्सा संभालता है।
- वर्ष के दौरान असम में सोनपुर (कामरूप जिला) में 11,111वीं शाखा खोलकर बैंक ने एक और मील का पत्थर पार किया। इस शाखा का उद्घाटन जनवरी 09 में माननीय गृहमंत्री श्री पी. चिदंबरम द्वारा किया गया।
- वर्ष के दौरान, स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र का विलय हो जाने के कारण 461 शाखाओं के जुड़ जाने के अलावा, राष्ट्रीय बैंकिंग समूह और ग्रामीण बैंकिंग समूह के अंतर्गत 807 नई देशीय शाखाएं खोली गईं और मार्च 2009 के अंत में बैंक के पास 11,448 देशीय शाखाओं का एक व्यापक नेटवर्क था।

#### तालिका : 5 राष्ट्रीय बैंकिंग समूह - उल्लेखनीय तथ्य

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	31.03.2008 को	31.03.2009 को	वृद्धि का %
जमा राशियाँ (अंतर बैंक को छोड़कर)	2,99,644	4,12,329	37.61
अग्रिम (खाद्य और अंतर बैंक को छोड़कर)	1,32,545	1,53,814	16.05

#### घ.1 वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय इकाई (पीबीबीयू)

वैयक्तिक बैंकिंग व्यवसाय इकाई (पीबीबीयू) का 31.03.09 को बैंक के कुल देशीय खंडवार अग्रिमों में लगभग 23.66% और देशीय जमा राशियों में 51.44% का अंशदान था। समूह देशभर में फैली अपनी 11,448 शाखाओं के माध्यम से अपने इस कारोबार का संचालन करता है।

वर्ष 2008-09 के दौरान पीबीबीयू का निष्पादन निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

(राशि करोड़ रुपये में)

विवरण	31.03.08 को	31.03.09 को	वृद्धि का %
जमा राशियाँ	2,43,814	3,39,326	39.17
अग्रिम	90,473	1,06,954	18.22

- दिनांक 31/03/2009 को व्यक्तिगत आवास ऋण संवितरणों के अनुसार इस वर्ष अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के बीच भारतीय स्टेट बैंक एक बार फिर से एक अग्रणी के रूप में उभरकर सामने आया है।
- वर्ष के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने भारत सरकार द्वारा घोषित प्रोत्साहनों को देखते हुए तीन नए उत्पाद - अर्थात्, एसबीआई विशेष गृह ऋण, एसबीआई हैपी होम ऋण और एसबीआई लाइफ स्टाइल प्रारंभ किए। इन पहलों से आवास ऋण खंड में कम लागत वाले और सामर्थ्य भीतर ऋणों की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिली जिससे नए आवास ऋणों में ग्राहकों की रुचि बढ़ी। एसबीआई ग्रीन होम शुरू करके भवन निर्माताओं को पर्यावरण अनुकूल आवास परियोजनाएँ लाने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया।
- भारतीय स्टेट बैंक शिक्षा ऋणों में बाजार में सबसे आगे है और सरकारी क्षेत्र के बैंकों में अपना 24 प्रतिशत बाजार अंश बनाए हुए है। वर्ष के दौरान शिक्षा ऋणों में रु. 2,203.33 करोड़ की वृद्धि हुई। आइआइएम/आइआइटी/एआइआइएमएस/प्रबंधन संस्थानों आदि जैसे 59 विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए रियायती ब्याज दरों और शर्तों पर एसबीआई स्कॉलर ऋण सीमा को विस्तारित किया गया है। ऋण सीमा बढ़ाकर रु. 15 लाख कर दी गई है।



- 5 Mid-Corporate Loan Administration Units, which provide centralized processing, servicing & documentation facilities to MCG customers, mainly at Off-site Centres, were brought under MCG's control during the year.

#### New Products

- Import factoring, a new product, was launched in association with SBI Factors & Commercial Services Ltd.

#### C.1 Gold Banking

- The Bank has taken several initiatives to undertake bullion business in a big way.
- The number of branches for retail sale of gold coins has increased from 250 in 2008 to 518 in 2009. The Scheme will be extended to cover all important centres of the country in 2009-10 by increasing the number of branches selling gold coins to about 1100. The Bank also undertakes supply of customised gold coins to corporates.
- The Bank has re-launched Gold Deposit Scheme at 50 branches to mobilise gold from domestic market for deployment as metal loans to jewellers.
- The Bank is in the process of setting up a dedicated Bullion branch at Mumbai to undertake bullion business in a focussed manner.

#### D. NATIONAL BANKING GROUP (NBG)

- National Banking Group consists of three Business Groups viz., Personal Banking, Small & Medium Enterprise (SME), and Government Banking and handles 34.41% of the total domestic credit and 59.21% of the total domestic deposit business (excluding inter bank deposits) of the Bank as on 31.03.2009.
- During the year, the Bank achieved another milestone by opening its 11,111th Branch at Sonapur (Kamrup District) in Assam, which was inaugurated in Jan 09 by the Hon. Home Minister Shri P. Chidambaram.
- During the year, apart from an addition of 461 branches on account of SBS merger, 807 new domestic branches were also opened (under NBG and RBG), and the Bank had a vast network of 11,448 domestic branches at the end of March 2009.

**Table : 5 NBG – Highlights**

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	growth %
Deposits (excluding inter bank)	2,99,644	4,12,329	37.61
Advances (excluding food and inter bank)	1,32,545	1,53,814	16.05

#### D.1 Personal Banking Business Unit (PBBU)

PBBU handles about 23.66 % of the total domestic segmental advances and 51.44% of the total domestic deposits of the Bank as on 31.03.09 through 11,448 branches spread throughout India.

Performance of PBBU during 2008-09 is given in the following table :

(Amount in Rs. crores)

Particulars	As on 31.03.2008	As on 31.03.2009	growth %
Deposits	2,43,814	3,39,326	39.17
Advances	90,473	1,06,954	18.22

- SBI once again emerged as a leader among Scheduled Commercial Banks (SCBs) and Housing Finance Companies (HFCs) this year in terms of Individual Home Loans disbursements as on 31.03.2009.
- During the year, SBI introduced three new products viz., SBI Special Home Loan, SBI Happy Home Loan and SBI Lifestyle in response to the stimulus package announced by the Government of India. These initiatives have resulted in stimulating supply in low cost and affordable housing segment, which in turn has rejuvenated customers' interest in new housing. SBI Green Home has been introduced to encourage developers to come out with environment friendly residential projects.
- SBI is the market leader in Education Loans and maintaining its market share of 24% amongst PSU banks. The growth in Education Loans during the year is Rs. 2,203.33 crores. SBI Scholar Loan limit is extended to students joining 59 elite institutions like IIMs / IITs/ AIIMS / Management Institutions etc. at concessional interest rates and terms. The limit for the loans has been increased to Rs.15 lacs.